**आन्तरिक गृहकार्य**

हिन्दी

**बी.ए.** द्वितीय **वर्ष,** हिन्दी, **एचडी-03 & एचडी-04**

सत्र-2014-15



**वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय , कोटा**

**रावतभाटा रोड, कोटा 324021 (राजस्थान)**

**फोन : - 0744-2470615, फैक्स: - 0744 - 2472525**

**Visit us at: www.vmou.ac.in**

**बी.ए.** द्वितीय **वर्ष,** हिन्दी, **एचडी-03 & एचडी-04**

**मूल्यांकन हेतु आन्तरिक गृह कार्य**

प्रिय विद्यार्थी,

आपको बी.ए. **द्वितीय** वर्ष में हिन्दी विषय के प्रश्न पत्रों के आन्तरिक गृह कार्य भिजवाये जा रहे हैं, जिनका विवरण निम्न प्रकार है:-

पाठ्यक्रम कोड प्रश्न पत्र का नाम

HD-03 नाटक एवं अन्य गद्य विधाएँ

HD-04 हिन्दी साहित्य का इतिहास

आपके प्रश्नपत्र में आपको आन्तरिक गृह कार्य करने हैं । इन्हें पूरा करके आप अन्तिम तिथि से पूर्व अपने क्षेत्रीय केन्द्र / अध्ययन केन्द्र के निदेशक के पास स्वयं उपस्थित होकर अथवा पंजीकृत डाक से अवश्य भिजवा दें। प्रत्येक सत्रीय कार्य 30 अंक का है। इन प्राप्तांकों को आपकी सत्रांत परीक्षा के अंकों के साथ जोड़ा जायेगा। सत्रीय कार्य स्वयं की हस्तलिपि में करें। तथ्यात्मक त्रुटियों को छोड़ कर सत्रीय कार्यों का पुनर्मूल्यांकन नहीं होता है, और न ही इन्हें सुधारने हेतु दुबारा स्वीकार किया जाता है। अतः पहली बार में ही सर्वश्रेष्ठ उत्तर लिखें। प्रत्येक प्रश्नपत्र के सत्रीय कार्य अलग-अलग फाईल में नत्थी करें।

विद्यार्थी प्रथम पृष्ठ पर निम्न सूचना अकिंत करें।

स्कालर संख्या ................................................................................

छात्र का नाम ................................................................................

पिता का नाम ................................................................................

पत्र व्यवहार का पता ................................................................................

................................................................................

................................................................................

................................................................................

................................................................................

पाठ्यक्रम का नाम ................................................................................

पाठ्यक्रम का कोड ................................................................................

जमा करवाने का दिनांक ...............................................................................

अध्ययन केन्द्र का नाम ...............................................................................

क्षेत्रीय केन्द्र का नाम ...............................................................................

**आन्तरिक गृह कार्य**

आन्तरिक गृहकार्य

बी.ए. द्वितीय वर्ष परीक्षा

एचडी-03

**नाटक एवं अन्य गद्य विधाएँ**

अधिकतम अंक **30**

निर्देश : प्रश्न पत्र खण्ड अ, ब और स में विभाजित है। खण्ड 'अ' अतिलघूत्तरात्मक है, खण्ड 'ब' लघूत्तरात्मक एवं खण्ड 'स' में निबंधात्मक प्रश्न सम्मिलित हैं।

खण्ड – अ

**अति लघु उत्तर वाले प्रश्न (अनिवार्य)**

नोट : इस खण्ड में 6 प्रश्न सम्मिलित हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर अनिवार्य हैं। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में परिसीमित कीजिये। प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का है। 6x1=6

प्रश्न 1 (i) हजारी प्रसाद द्विवेदी जी के निबन्ध की किसी एक विशेषता के बारे में लिखिए।

(ii) रांगेय राघव के रिपोर्ताज संग्रह का क्या नाम है ?

(iii) नाटक और एकांकी मे किन्हीं दो अन्तर को बताइए।

(iv) हास्य का सामाजिक दृषिट से क्या महत्व है ?

(v) 'निबन्ध' की कोर्इ एक परिभाषा लिखिए।

(vi) भोलाराम का जीव फार्इलों में क्यों अटका था ? दो पंक्तियों में बताइये।

खण्ड – ब

**लघु उत्तर वाले प्रश्न**

निम्नलिखित प्रश्नों में से कोर्इ दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 100 शब्दों में परिसीमित कीजिये। प्रत्येक प्रश्न 3 अंक का है। 4 × 3 = 12

प्रश्न 2 “ध्रुव स्वामिनी सामाजिक नाटक है।” स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 3 निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

''तीनों तरफ क्षितिज तक पानी- ही पानी था, फिर भी सामने का क्षितिज, हिन्द महासागर का, अपेक्षा अधिक दूर और अधिक गहरा जान पड़ता था। लगता थ कि उस ओर दूसरा छौर है ही नहीं। तीनों ओर के क्षितिज को आँखों में समेटता मैं कुछ देर भूला रहा कि मैं, मैं हूँ, एक जीवित व्यक्ति, दूर से आया यात्री, एक दर्शक।''

मोहन राकेश द्वारा रचित 'आखिरी चट्टान तक' यात्रावृत्त में निहित दृष्टिकोण को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 4 नाटयकला के तत्वों की दृष्टि से प्रसाद के नाटकों की विशेषताएं बताइये।

प्रश्न 5 निम्नलिखित गधांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

''तब तो बंगाल अभी जीवित है! आज भी वह अपना रास्ता खोज निकालना जानता और चाहता है। भूख से व्याकुल होकर भी यह भारत की संस्कृति जनक सिर झुकाने को तैयार नहीं है। आज भी वह इन सब आँधी-तूफानों को झेलकर फिर से विराट रूप में फूट निकलना चाहता है। सचमुच कोर्इ इनका कुछ नहीं कर सकता। यदि जनता में चेतना है, तो इन्हें भूखे मारने नर-पिशाच नाज-चोरों का अन्त दूर नहीं है।''

प्रश्न 6 महादेवी के संस्मरण घीसा की चारित्रिक विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

खण्ड - स

निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 400 शब्दों में परिसीमित कीजिये। प्रत्येक प्रश्न 06 अंक का है। 02 × 06 = 12

प्रश्न 7 'महाभारत की एक साँझ' एकांकी की कथावस्तु बताते हुए इसके उद्देश्य को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 8 आचार्य राम चन्द्र शुक्ल ने 'उत्साह' निबन्ध के सन्दर्भ में अपने किन विचारों का उल्लेख

किया है। उदाहरण सहित विवेचन कीजिये।

प्रश्न 9 घीसा संस्मरण की कथा बताते हुए घीसा का चरित्र-चित्रण कीजिए।

प्रश्न10 'नाखून क्यों बढ़ते है।' निबन्ध का सार प्रस्तुत करते हुए इसकी भाषा शैली की विवेचना कीजिए।

आन्तरिक गृहकार्य

**बी.ए. द्वितीय वर्ष परीक्षा**

**एचडी-04**

**हिन्दी साहित्य का इतिहास**

अधिकतम अंक **30**

निर्देश : प्रश्न पत्र खण्ड अ, ब और स में विभाजित है। खण्ड 'अ' अतिलघूत्तरात्मक है, खण्ड 'ब' लघूत्तरात्मक एवं खण्ड 'स' में निबंधात्मक प्रश्न सम्मिलित हैं।

खण्ड – अ

**अति लघु उत्तर वाले प्रश्न (अनिवार्य)**

नोट : इस खण्ड में 6 प्रश्न सम्मिलित हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर अनिवार्य हैं। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में परिसीमित कीजिये। प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का है। 6x1=6

प्रश्न 1 (i) रीतिकाल को श्रृंगार काल नाम किसने दिया।

(ii) तुलसी की ब्रजभाषा के काव्योंका नामोल्लेख कीजिए।

(iii) हिन्दी साहित्य के इतिहास को कितने खण्डों में विभाजित किया गया, नामोल्लेख कीजिए।

(iv) नन्ददास किस धारा के कवि हैं तथा उनकी कृति का नामोल्लेख कीजिए।

(v) प्रयोगवाद से क्या अभिप्राय है ? तार सप्तक के सम्पादक का नाम बताइये।

(vi) आदिकाल को वीरगाथा काल क्यों कहते है ?

खण्ड – ब

**लघु उत्तर वाले प्रश्न**

निम्नलिखित प्रश्नों में से कोर्इ दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 100 शब्दों में परिसीमित कीजिये। प्रत्येक प्रश्न 3 अंक का है। 4 × 3 = 12

प्रश्न 2 छायावादी कवियों का उल्लेख करते हुए उसकी प्रमुख प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 3 सगुण भक्ति काव्य की विशेषताएँ बताइये।

प्रश्न 4 द्विवेदी युगीन साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियां लिखिए।

प्रश्न 5 मनोवैज्ञानिक कहानी तथा सचेतन कहानी पर टिप्पणी लिखिए।

प्रश्न 6 स्वातंत्र्योतर हिन्दी निबन्ध के विकास क्रम पर प्रकाश डालिए।

खण्ड - स

निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 400 शब्दों में परिसीमित कीजिये। प्रत्येक प्रश्न 06 अंक का है। 02 × 06 = 12

प्रश्न 7 हिन्दी सहित्य के इतिहास में भक्तिकाल को स्वर्णयुग क्यों कहा ? स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 8 स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी कहानी के विकास क्रम पर आलेख लिखिए।

प्रश्न 9 प्रगतिवादी काव्य की प्रमुख प्रवृत्तिया बताइये।

प्रश्न10 रीतिमुक्त कवियों का परिचय देते हुए उसकी प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।